अण्डमान तथा निकोबार राजपत्र
Andaman And Nicobar Gazette

सत्यमेव जयते

असाधारण

EXTRAORDINARY

प्राधिकार से प्रकाशित

Published by Authority

सं. 89, पोर्ट ब्लेयर, शुक्रवार, 22 मई, 2015

No. 89, Port Blair, Friday, May 22, 2015

v.Meku rFkk fudksckj iz'kklu

जनजाति कल्याण निदेशालय

<u>अधिसूचना</u>

पोर्ट ब्लेयर, दिनांक 22 मई, 2015

<u>xzsV fudksckj }hi dh fy, 'kksEisu tutkfr uhfr] 2015</u>

सं. 89/2015/फ. सं. 1-892/2009-TW/557.— शोम्पेन जनजाति के लिए नीति में इनके विभिन्न समूहों की भिन्न–भिन्न आवश्यकताओं और इस समुदाय के बारे में हमारी जानकारी के लिए इनकी कई भिन्नताओं पर ध्यान देने की आवश्यकता पर बल देते हुए समुदाय के भीतर सामाजिक–भौगोलिक भिन्नताओं को महत्व दिया गया है । यह नीति संपूर्ण समुदाय की सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक अखंडता को सुनिश्चित करती है । इस नीति में शोम्पेन जनजाति द्वारा अपने समुदाय से अलग अन्य लोगों और आपस में परस्पर संवाद में गतिशीलता देने के लिए क्रियान्वित की जा रही नीति के लिए व्यवस्था तंत्र में सुधार की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया है। इस नीति के मार्गदर्शी सिद्धांत का उद्देश्य उनके समाज की एकता को जीवन के मूल अधिकारों से उन्हें वंचित किए बिना सुनिश्चित करना है ।

तद्नुसार, भारत सरकार, जनजाति कल्याण मंत्रालय के अनुमोदन से जिसे दिनांक 10.04.2015 के पत्र सं. 17014/05/2008–सी. एण्ड एल.एम.–II (भाग) के अनुसार सूचित किया गया था, उप राज्यपाल, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह एतद्द्वारा निम्नलिखित स्कीम बनाते हैं, अर्थात् :–

1- laf{kIr uke rFkk izkjEHk %

(i) इन नियमों को अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह शोम्पेन नीति, 2015 कहा जा सकेगा ।

(ii) सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि से प्रभावी मानी जाएगी ।

2- mís'; %

2.1 शोम्पेनों के बीच के सामाजिक, पारिस्थितिकी और आर्थिक विविधता को मान्यता देना ।

2.2 किसी प्रकार के शोषण और अधारणीय निर्भरता को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना ।

2.3 स्वास्थ्य और चिकित्सासम्बन्धी आवश्यकताओं के लिए अवसर प्रदान करना ।

2.4 उनकी इच्छा के अनुसार ही सम्पर्क, परामर्श और भागीदारिता के माध्यम से उनकी एकता और कल्याण को सुनिश्चित करना ।

2.5 भाषा सहित उनके सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित और सुरक्षित रखना ।

3- 'kkEiuk d chp oxhdj.k vkj vko';drkvk e fHkUurk %

3.1 शोम्पेन समुदाय की नीति में इस समुदाय को चार विशिष्ट वर्गों के रूप में मान्यताप्राप्त है जो भौगोलिक रूप से ग्रेट निकोबार द्वीप में फैले हुए हैं और इनका लोगों से सम्पर्क बहुत कम है। ये स्थान (क) न्यू चिनगेन्ह (ख) लाफुल क्षेत्र (ग) ईस्ट वेस्ट रोड क्षेत्र (घ) कोकिओन/गलाथिया क्षेत्र हैं (संलग्नक में नक्शा दिया गया है) । शोम्पेनों के संबंध में नीति का दस्तावेज विभिन्न सम्पर्कों की प्रतिक्रिया तथा बाहरी वर्गों से आवश्यकता में भिन्नता को ध्यान में रखेगा।

3.2 वन क्षेत्रों से आने वाले शोम्पेन लाफुल क्षेत्र से हैं । उनके बार–बार आने से चावल और अन्य आवश्यक वस्तुओं पर उनकी निर्भरता भी बढ़ी है । जबकि ये वस्तुएँ मुफ्त दी जाती है, इसलिए यह लोगों के सम्मान का भी प्रश्न है । अन्य दो समूह (ईस्ट–वेस्ट रोड और कोकिओन/गलाथिया) इतने निर्भर नहीं हैं और कैम्पबेल बे बस्ती में कभी–कभी ही आते हैं ।

3.3 पहचानी गई प्रत्यक्ष समस्या में पर्याप्त सूचना की कमी है और कुछ समुदायों के सदस्यों द्वारा वस्तुएँ जैसे चावल के लिए कई सम्पर्क स्थापित किये गये । पारम्परिक खाद्य सामग्रियों के उपभोग को सम्भवतः छोड़ देने के कारण पौष्टिकता की दृष्टि से चावल की आवश्यकता का आकलन भी किया जाना चाहिए ।

3.4 शोम्पनों की एकता और सामाजिक सांस्कृतिक कल्याण को उनके निर्भरता में हुई कमी के आधार पर समय–समय पर निर्धारित किया जाना चाहिए और समय–समय पर अपेक्षित किसी भी हस्तक्षेप को बनाए रखा जाए।

4- lkefgd dY;k.k d fy, lfo/kk ¼thfodk] LokLF; ,oa f'k{kk½ %

4.1 न्यू चिनगेन्ह में शोम्पेन निकोबारियों के साथ मिल कर रहते हैं, उनके अपने खाद्य स्रोतों के न होने पर वे चावल पर निर्भर रहते हैं तथा इसलिए वे एक अपवाद हैं । न्यू चिनगेन्ह और लाफुल समुदायों को चावल और दाल वितरित किया जाता रहा है । जीविका को निरन्तर बनाए रखने की आवश्यकता के लिए उनके भोजन शैली में एक विकल्प के रूप में भूमि का आबंटन करके उनके सक्रिय भागीदारी के माध्यम से कन्दमूल और अन्य पारम्परिक फसलों की खेती की जाए। चूँकि इन वर्गों को वृक्ष संवर्धन/बागवानी के अभ्यास के लिए जाना जाता है,इन्हें मुफ्त बाहरी खाद्य सामग्री का वितरण बंद नहीं करना चाहिए ।

4.2 अन्य वर्गों (ईस्ट वेस्ट रोड़ और कोकिओन गलाथिया क्षेत्र) के लिए चावल की आवश्यकता अथवा चावल पर निर्भरता के संबंध में कुछ स्पष्ट नहीं है ।

4.3 जब महिला रोगी अस्पताल में आती है अथवा भर्ती होती है तो रोगी और डॉक्टर/चिकित्सा कर्मचारी के बीच उनके उपचार के दौरान सही और विवेकपूर्ण वार्तालाप होना चाहिए । अण्डमान आदिम जनजाति विकास समिति के महिला कार्यकर्ता जो मुख्यतः शोम्पेन समुदाय से हो, उन्हें आधारभूत मेडिकेयर प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए और ऐसे अवसरों पर उन्हें उपलब्ध होना चाहिए । जबकि आजकल इस जनजाति में से ऐसे व्यक्ति की उपलब्धता कम हो रही है उनके स्थान पर अन्य को लिया जाना चाहिए ।

4.4 आपात स्थिति में रोगियों को ले जाने हेतु हेलिकॉप्टर सेवा, जहाँ तक व्यवहार्य हो तथा जब और जैसे आवश्यकता हो, जारी रखी जाएगी ।

4.5 अधिकतर शोम्पेन, सामान्य रोगों के उपचार के लिए पारम्परिक तरीके का उपयोग करते हैं । अण्डमान आदिम जनजाति विकास समिति ने सुनिश्चित किया है कि रोग निदान, उपचार प्रतिरक्षण प्रक्रिया के लिए अनुभवी स्वास्थ्य विशेषज्ञों का एक प्रोटोकॉल तैयार किया जाएगा । अण्डमान आदिम जनजाति के कार्यकर्ताओं को दृष्टि जाँच, रोग का क्लीनिकल लक्षण को पहचानने में प्रशिक्षित किया जाना चाहिए जिसमें चिकित्सिकीय दृष्टि से ध्यान देने की आवश्यकता है।

4.6 दूर दृष्टि के तौर पर प्रभावपूर्ण वार्तालाप, क्षेत्र कर्मचारी के लिए भाषाई कुशलता का विकास और स्थानीय रूप से उपयुक्त शैक्षिक उपकरणों का विकास तथा शोम्पनी बच्चों और वयस्कों में जागरूकता उत्पन्न करने के कार्य अण्डमान तथा निकोबार जनजाति अनुसंधान संस्थान (ए एन टी आर आई) द्वारा हाथ में लिया जाएगा जिसमें इसी कार्य के लिए जारवा जनजाति के साथ के अनुभव का उपयोग किया जाए। तथापि इससे पहले जनजाति कल्याण कर्मचारी के भाषाई कुशलता को बढ़ाया जाए।

4.7 अण्डमान तथा निकोबार जनजाति अनुसंधान संस्थान (ए एन टी आर आई) और स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा सृजित और विश्लेषित सूचना के आधार पर और जनजाति कल्याण विभाग द्वारा ए एन टी आर आई के सहयोग से चयनित उन्मुख और अनुभवी चिकित्सा तथा कल्याण कर्मचारी के सहयोग से स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाए।

4.8 गैर–शोम्पेनियों के साथ जागरूकता बढ़ाने और समान संबंध स्थापित करने हेतु लाफुल और न्यू चिनगेन्ह के शोम्पनों के लिए द्विसांस्कृतिक और द्विभाषिक शिक्षा कार्यक्रम प्रदर्शित किया जाना चाहिए, इसे जब आवश्यकता हो, के आधार पर अन्य वर्गों के लिए भी प्रदान किया जा सकता है । नीति में मान्यता है कि सीखने तथा संवाद विकास के आधार पर असमान आदान–प्रदान की कमी एक अनूकूल प्रक्रिया होगी।

5- vuqla/kku vkSj 'kksEisu dks MsVkcsl dk j[k&j[kko :

5.1 जनजाति कल्याण के लिए अण्डमान तथा निकोबार जनजाति अनुसंधान संस्थान के समन्वय से खाद्य पदार्थों की उपलब्धता की पद्धति, आवश्यकता और मांग पर आधारित अनुसन्धान अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा । यह कार्यक्रम मांग और आपूर्ति में फेर–बदल को समझने का प्रयत्न करेगी ताकि इन समुदायों के कल्याण के प्रबंधन में लचीले प्रयास की अनुमति दी जा सके, बिना किसी उपायों के जो अस्थिर निर्भरता तथा उनके पौषणिक स्तर, पहचान की भावना और आत्म–निर्भरता को नकारात्मक रूप से प्रभावित करता हो ।

5.2 इस अस्थाई प्रबंधन के माध्यम से अण्डमान आदिम जनजाति विकास समिति मौसमी स्थानीय खाद्य सामग्री की उपलब्धता और अनुपलब्धता को सुनिश्चित करने में सक्षम है और इसके अब उपलब्ध होने पर चावल / दाल के वितरण में संशोधन किया जाना चाहिए । अन्य सब्जियाँ जिसकी कृषि की जा सकती है, उसकी भी जाँच की जाए ।

5.3 सामाजिक और आर्थिक व्यवहार जैसे खाद्यान्नों की कृषि, संग्रह और वितरण, आहार संबंधी चक्र, महिलाओं की स्थिति और पुरूषों की भूमिका, बच्चों और युवाओं के बीच सामाजिक अध्ययन और विकास को समझने के लिए अण्डमान आदिम जनजाति विकास समिति द्वारा आधारभूत अनुसंधान हेतु फील्ड सर्वेक्षण किया जाना चाहिए। यह भी संवाद के विकास में सहायता देगी जो इस समय कल्याण कर्मचारी और समुदाय के बीच प्राथमिक है ।

5.4 पारम्परिक औषधियों और व्यवहार, पोषाहार का मूल्य, औषधि और पौषणिक खाद्य सामग्रियों के चिकित्सकीय गुण–दोषों को प्रलेखित किया जाएगा और अण्डमान तथा निकोबार जनजाति अनुसंधान संस्थान द्वारा डेटाबेस में अनुसंधान प्रेरित कल्याण नीति के रूप में अनुरक्षित करके रखा जाएगा । अण्डमान आदिम जनजाति विकास समिति के कार्यकर्त्ता अपने परस्पर संवाद के दौरान इसे प्रलेखित करेंगे । विशेषकर औषधि और व्यवहार जो मलेरिया से लोगों को बचाता है उसे प्रलेखित किया जाना जरूरी है ।

5.5 मुख्यतः लाफुल शोम्पेन द्वारा बाजार की वस्तुओं पर बढ़ती निर्भरता संबंधी पहलू पर व्यवहार्य कार्यक्रम के कार्य को अनुसंधान अभियान नीति के एक भाग के रूप में हाथ में लिए जाने की आवश्यकता है ।

5.6 अंतरी शोम्पेन बोली / बोलियों का प्रलेख तैयार करेगा । इसका प्रयोग प्रभावपूर्ण संपर्क स्थापित करने के साथ–साथ समुदाय की पंरम्परा / मौखिक ज्ञान के संरक्षण में किया जाएगा ।

5.7 सूचना के आभाव को दूर करने हेतु यह अति आवश्यक है कि अण्डमान आदिम जनजाति विकास समिति द्वारा, ग्रेट निकाबार द्वीप में चिकित्सा सुविधा प्राप्त कर रहे सभी शोम्पेनों का एक ''हेल्थ डाटाबेस'' का विकास किया जाए । जो शोम्पेन स्वास्थ्य केन्द्रों पर जाते हैं, उनका सभी चिकित्सा रिकॉर्ड कैम्पबेल बे के चिकित्सा केन्द्र द्वारा रखा जाना होगा और अण्डमान आदिम जनजाति विकास समिति शोम्पेन सराए द्वारा इसकी निगरानी की जाएगी । ऐसे हेल्थ डाटा को गुप्त रखना जरूरी है ।

5.8 कैम्पबेल बे के अण्डमान आदिम जनजाति विकास समिति शोम्पेन सराए ने सामयिक निरीक्षण, चिकित्सा मध्यस्थता, राशन और अन्य सामग्रियों के वितरण पर सूचना उपलब्ध कराने के लिए एक डिज़िटल डाटा बेस की शुरूआत की है । अण्डमान आदिम जनजाति विकास समिति द्वारा इस डाटा बेस के पैरामीटर्स को नियमित और सही बनाए रखना होगा ।

5.9 लिंग के संबंध में, उनके भाग लेने की सहमति और वास्तविक प्रयोग हेतु सूचना को सुरक्षित रखने के लिए डाटा सुग्राहिता से तथा नीतिपरक कर एकत्र की जाएगी । अण्डमान आदिम जनजाति विकास समिति द्वारा डाटा तथा मूल क्षेत्र अनुसंधान अभ्यास के विकास की गोपनीयता को सुनिश्चित करने की प्रक्रिया में अन्य विभागीय कर्मचारियों की आवश्यकता होगी ।

5.10 इस डाटा बेस का मासिक रिपोर्ट अंतरी तथा अण्डमान आदिम जनजाति विकास समिति, पोर्ट ब्लेयर को अभिलेख तथा पारस्परिक क्रिया में भिन्नता निर्धारण हेतु भेजने की आवश्यकता होगी, जब शोम्पेन समूहों के मध्य लचीलेपन से उचित जरूरतों की व्यवस्था की जाती है ।

5.11 डाटा, इंटरनेट द्वारा न भेजा जाए ।

6- ikdfrd fuokl LFkku dh lqj{kk %

6.1 सुनामी तथा पुर्नवास के बाद, संभावित अतिक्रमण के कारण, जनजाति आरक्षण क्षेत्र की बस्तियों का स्पष्ट सीमांकन आवश्यक है । सभी अतिक्रमणों को हटाया जाएगा । राजस्व बंदोबस्त क्षेत्र के रूप में अधिसूचित क्षेत्र का नक्शा बनाकर भूमि पर स्पष्ट सीमांकन करना होगा । अण्डमान प्रशासन (अण्डमान आदिम जनजाति विकास समिति/जनजाति कल्याण विभाग, मण्डलीय वन अधिकारी कार्यालय, कैम्पबेल बे, सहायक आयुक्त कार्यालय, कैम्पबेल बे) को यह नक्शा उपलब्ध कराना होगा ।

6.2 जिन क्षेत्रों में शोम्पेनों से कई लोगों की पहचान रहती है ऐसे स्थानों पर किसी भी प्रकार के पर्यावरण हितैषी पर्यटन की अनुमति नहीं होगी । जनजाति आरक्षण क्षेत्र की बस्तियों के साथ पूर्वी सीमा की बाउन्डरी और पर्यावरण तथा वन विभाग, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे नेचर ट्रेल तक आगंतुकों के लिए ई. डब्ल्यू. सड़क को स्पष्टतया चिन्हित और प्रबंधित किया जाएगा ।

6.3 ग्रेट निकोबार द्वीप के लिए भविष्य में बड़े पैमाने पर विकास प्रस्तावों के संबंध में (जैसा कि शिपमेंट/कनटेनर, टर्मिनल आदि) शोम्पेन समुदाय के कल्याण और एकता को प्राथमिकता दी जाएगी तथा जनजाति कल्याण विभाग, अण्डमान आदिम जनजाति विकास समिति और जनजाति कार्य मंत्रालय के साथ संपर्क कर समीक्षा की जाएँगी ।

6.4 ग्रेट निकोबार द्वीप में उचित स्थानों पर विधिक संरक्षण के संबंध में संकेतों के अतिरिक्त अण्डमान निकोबार आदिम जनजाति संरक्षण विनियम, 1956 तथा ''क्या करें क्या न करें'' की सूचनाएँ भी प्रदर्शित की जाएगी ।

6.5 अन्य विभागों या व्यक्तियों द्वारा मानवतावादी कार्यों के रूप में फसलों या पशुओं पर शुरूआती कार्य, संसाधन संवर्धन अभ्यास के रूप में प्राथमिकता, मूल रूप से बने डाटा की उपलब्धता के बिना नहीं किया जाएगा ।

7. lLFkkxr 0;oLFkk %

7.1 अण्डमान आदिम जनजाति विकास समिति और ए.एन.टी.आर.आई. के माध्यम से नीति कार्यान्वयन की आवधिक समीक्षा पर आधारित, शोम्पेन नीति कार्यान्वयन से लिए जनजाति कल्याण विभाग, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन जिम्मेदार होगा । इस नीति के समग्र उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु उपयुक्त समय में संशोधन किया जाएगा ।

7.2 दो स्थान जहाँ से दो समूह (पूर्व पश्चिम और कोकेन/गलाथिया क्षेत्र) वन से बस्ती तक दृष्टिगोचर होते हैं, लक्ष्मी नगर में 16 किलोमीटर पूर्व पश्चिम सड़क और 24 किलोमीटर उत्तर दक्षिण सड़क है । (अनुलग्नक 2) अनुसंधान के साथ–साथ गैर–जनजातियों द्वारा शोषण की निगरानी के लिए फील्ड स्टेशनों का निर्माण किया जाएगा । ये फील्ड स्टेशन, फील्ड स्टाफ के लिए कम से कम आवास तथा भंडार सुविधाओं के साथ कार्य करेगी । नीति के उद्देश्यों के कार्यान्वयन को सरल करने के प्रयास से अन्य केन्द्रों लक्ष्मणतट तथा गलाथिया नदी के निकट उत्तर–दक्षिण सड़क पर विचार किया जाएगा।

7.3 अनुसंधान प्रेरित कल्याण नीति के माध्यम से असमान वस्तु विनिमय, शोषण तथा निर्वाह भत्ता निर्भरता को समाप्त करने के लिए प्रोत्साहन योग्य समान विनिमय तथा संपर्क तंत्र बनाया जाएगा। यदि आवश्यकता पड़ने पर, अण्डमान आदिम जनजाति विकास समिति द्वारा कुछ हद तक बाजार मध्यस्थता उपलब्ध काराई जाएगी ।

7.4 ए.एन.टी.आर.आई./अण्डमान आदिम जनजाति विकास समिति के फील्ड स्टाफ तथा विशेषज्ञ सलाहकार समूह द्वारा जनित सूचना की समीक्षा के आधार पर एक क्रमबद्ध नीति कार्यान्वयन की प्रक्रिया का विकास किया जाएगा । यह परिकल्पना की जाती है कि इससे जो ग्रेट निकोबार के शोम्पेन का गठन एक बेहतर पकड़ हेतु उनके सामाजिक, सांस्कृतिक एकता तथा स्थानिक सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए करते है, पूर्ण जानकारी उपलब्ध होगी ।

7.5 जनजाति कार्य मंत्रालय, इन संस्थानों को बढ़ाने हेतु वित्तीय सहायता तथा अन्य सहयोग मुहैया कराएगा ।

8. fo'k"kK lfefr rFkk uhfr dh leh{kk %

सचिव, जनजाति कार्य मंत्रालय ''अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के विभिन्न आदिम जनजाति समूह के लिए नीतियाँ तैयार करने हेतु बनी विशेषज्ञ समिति'' की नीति की समीक्षा/ संशोधन के लिए जिम्मेदार होगा । उपलब्ध सूचना के आधार पर जैसे और जब भी आवश्यकता पड़ने के आधार पर नीति की समीक्षा की जाएगी ।

उप राज्यपाल, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के आदेश से

g-@&
¼nhid e®gu 'kDy½
lfpo ¼tutkfr dY;k.k½
v.Meku rFkk fudkckj i'kklu

ANDAMAN AND NICOBAR ADMINISTRATION
DIRECTORATE OF TRIBAL WELFARE

NOTIFICATION

Port Blair, dated the 22nd May, 2015.

POLICY ON SHOMPEN TRIBE OF GREAT NICOBAR ISLAND

No. 89/2015/F. No. 1-892/2009-TW/557.— The policy towards the Shompens Tribe recognizes socio-geographic variation within the community, varying requirements of different groups of Shompens, and the need to address various gaps in our understanding of this somewhat less known community. The policy seeks to ensure the social, economic and cultural integrity of the entire community. It also recognizes the need to improve the mechanisms by which the policy is implemented in response to dynamism in interaction by the Shompens with others outside their community and also within. The guiding principle for this document is to ensure the integrity of their society but without denying them basic rights to life.

Accordingly, with the approval of Government of India, Ministry of Tribal Welfare as communicated vide letter No.17014/05/2008-C&LM-II(Part) dated 10.04.2015, the Lt. Governor, Andaman and Nicobar Islands hereby makes the following scheme, namely :-

1. SHORT TITLE AND COMMENCEMENT :

(i) These policy may be called Andaman and Nicobar Islands Shompen Policy, 2015.

(ii) They shall come in to force from the date of publication of Official Gazette.

2. OBJECTIVES :

2.1 Recognize the social, ecological and economic diversity among Shompens.

2.2 Eliminate through phased reduction, any exploitation and unsustainable dependency.

2.3 Provide appropriate opportunity for health and medical requirements.

2.4 Ensure their integrity and well being through developing channels of communication, consultation and participation only based on their willingness.

2.5 Preserve and protect their cultural heritage including language.

3. THE DISTRIBUTION AND VARIATION IN REQUIREMENTS AMONG SHOMPENS :

3.1 The policy towards the Shompens community recognizes four distinct groups of Shompens, geographically spread on the island of Great Nicobar with varying degrees of contact. They are at (a) New Chingenhy, (b) Laful Region, (c) East-West Road Region and (d) the Kokeon/Galathea Region (map in Annexure). The policy towards the Shompens will document and respond to the variable contact and varying requirements from outside of the groups.

3.2 The most frequent Shompens visitors from the forested regions are those from Laful. Their frequent visitation has also raised a growing dependence on rice and other market commodities. Since these commodities are given free, there is a question of dignity to the people. The other two groups (East-West road and Kokeon/Galathea) are not as dependent, and infrequently visit the Campbell Bay settlement.

3.3 The most evident problem identified is the lack of sufficient information and rationale with regard to the periodic and variable contact made by some community members for articles such as rice. Also the need for rice has to be assessed in terms of nutritional loss since traditional foods are possibly abandoned.

3.4 Integrity of the Shompens socio-cultural well-being should be determined periodically on the basis of reducing dependence, and sustainability of any interventions that may be required from time to time.

4. FACILITATION FOR COMMUNITY WELL BEING (LIVELIHOOD, HEALTH AND EDUCATION) :

4.1 The Shompens families at New Chingenh are integrated with Nicobarese and are dependent on rice in the absence of their own food resources, and, therefore, are an exception. Rice and dal may continue to be distributed to New Chingenh and Laful communities. Requirements in sustainable livelihood options will include enhancing their dietary profile through land allotment for cultivation of tubers and other traditional crops through their active participation. Since these groups are known to practice arboriculture/horticulture, these should not be discontinued through free distribution of external foods.

4.2 For the other groups (East-West road and Kokeon/Galathea region), the degree of requirement of or dependence on rice, is not clearly established.

4.3 When women patients visit or are admitted in the hospital, accurate and sensitive communication between patient and doctor/medical staff will be required during their treatment. Women Andaman Adim Janjati Vikas Samiti (AAJVS) workers preferably from the Shompens community should be trained in basic medicare, and be available for such occasions. Since at present the availability of such persons from the tribe will be less, others may have to be taken.

4.4 The use of helicopter services for evacuations in times of emergencies will be continued as far as it is practical and when required.

4.5 Though most Shompens use traditional practices of healing for most common ailments, the AAJVS will ensure that a protocol for diagnosis, treatment and immunization procedures is developed by well experienced health experts. AAJVS workers should be trained to identify on visual examination of the clinical symptoms of diseases which may require medical intervention.

4.6 As a long terms vision toward effective communication, linguistic skill development for field staff, and the development of locally appropriate educational tools and creating awareness among Shompens children and adults will be undertaken by Andaman and Nicobar Tribal Research Institute (ANTRI) utilizing the experience in similar ventures with the Ang/Jarawa tribal community. However, before this can happen, the language skills of Tribal Welfare Staff has to be upgraded.

4.7 Based on the information generated and analyzed by ANTRI and health experts, health camps may be conducted only in collaboration with ANTRI and Department of Tribal Welfare by the selection of well oriented and experienced medical and welfare staff.

4.8 To increase awareness and equitable relations with non-Shompens, a bicultural and bilingual education programme should be tailored for Laful and New Chingenh Shompens. This may be extended, if and when required for other groups. The policy recognizes that the reduction of inequitable exchange will be an adaptive process based on learning and development of communication.

5. RESEARCH AND MAINTENANCE OF A SHOMPENS DATABASE :

5.1 The research driven programme for tribal welfare will be coordinated by the A&N Tribal Research Institute (ANTRI) to establish patterns of food availability, requirement and demand. The programme should seek to understand alterations in demand and supply to allow a flexible approach in catering to the welfare of these communities, without introducing any measures that bring on unsustainable dependence and/or negatively impacts their nutrition level, sense of identity and self-sufficiency.

5.2 Though this temporary arrangement by which the AAJVS is able to clearly establish seasonal local food availability and its non-availability (if at all), the distribution or modification in rice/dal distribution may be revisited. Other vegetables which can be cultivated may also be examined.

5.3 Field surveys by AAJVS should be conducted on basic research to understand social and economic practices, such as food cultivation, collection and distribution, dietary cycles, the position of women and role of men, social learning and growth among children and youth. This will also aid the development of communication, which is rudimentary at present between welfare staff and the community.

5.4 Traditional medicines and practices, diet value and therapeutic properties of medicinal and dietary foods will be documented and maintained as a database by ANTRI as part of the research led welfare policy. AAJVS workers should document this during their interactions. In particular, the medicines and practices which protect the people from malaria need to be documented.

5.5 A viable programme of action on the aspect of growing dependence on market goods primarily by Laful Shompens needs to be taken up as part of the research driven policy.

5.6 ANTRI will document Shompens dialect(s). These will be used for effective communication as well as conserving the traditional/oral knowledge of the community.

5.7 A major requirement to bridge an information-gap is the development of a 'health database' by the AAJVS for all Shompens who use the medical facilities on the island of Great Nicobar. All medical records for those Shompens who visit the Health Centre are to be maintained by the Health Centre at Campbell Bay and monitored by AAJVS Shompens Sarai. It is important to maintain the privacy of such health data.

5.8 A digital database has been initiated at the AAJVS Shompens Sarai at Campbell Bay to generate and maintain information on periodic visitation, medical intervention, distribution of rations or other articles. The parameters of the database have to be regularly and accurately maintained by AAJVS.

5.9 All data should be sensitively and ethically collected, with regard to gender, their participatory consent and in safeguarding information for bonafide use. Steps in ensuring the confidentiality of data and development of basic field research practices by AAJVS and other departmental staff are requirements in this process.

5.10 Monthly reports of this database need to be sent to ANTRI and AAJVS at Port Blair to archive and assess variations in interaction, while flexibly administering appropriate requirements between Shompens groups.

5.11 Data should not be sent by internet.

6. PROTECTION OF NATURAL HABITAT :

6.1 After the tsunami and rehabilitation, there is a requirement of clearly demarcating the settlement region from the Tribal Reserve. Given the possibility of encroachments, all encroachments will be removed. The area notified as a Revenue settlement area has to be mapped and clearly demarcated on the ground. This map should be made available to the Andaman Administration (AAJVS/Department of Tribal Welfare, Office of Divisional Forest Officer, Campbell Bay, Assistant Commissioner Office, Campbell Bay).

6.2 No eco-tourism ventures should be allowed in the regions where Shompens are known to frequent. The boundary of the eastern limit of the Tribal Reserve along the settlement region and the EW road should be clearly marked and managed for visitors to the Nature Trail maintained by the Department of Environment and Forests, A&N Administration.

6.3 With regard to large-scale development proposals in the future for Great Nicobar Island (such as trans-shipment/container terminal etc), the welfare and integrity of the Shompens community should be given priority and be reviewed in consultation with the Department of Tribal Welfare and Andaman Adim Janjati Vikas Samiti (AAJVS), and the Ministry of Tribal Affairs.

6.4 Signages regarding legal protection vis-à-vis Andaman Nicobar Protection of Aboriginal Tribes Regulation, 1956, and informative 'Do's and Don'ts will be maintained at appropriate locations on Great Nicobar Island.

6.5 Introduction of crops or animals as a humanitarian gesture should not be undertaken by other departments or individuals as a resource augmentation exercise without availability of basic data generated first. Such efforts should be examined by the Expert Committee.

7. INSTITUTIONAL ARRANGEMENTS :

7.1 Based on the periodic review of policy implementation, the Department of Tribal Welfare, A&N Administration will be responsible for the implementation of the Shompens policy through AAJVS and ANTRI. Appropriate course correction should be carriedout to achieve the overall objectives of this policy.

7.2 Two locations from where two groups (East-West road and Komeon/Galathea regions) emerge from the forest to the settlement are at the 16 Km East-West road and at 24 Km North-South road at Laxmi Nagar (Annexure-2). Field stations must be constructed to facilitate research as well as to monitor exploitation by non-tribals. They should be made operational with minimal accommodation for field staff and storage facilities. Other stations may be considered at Laxman beach and near the Galathea River, North-South road in effort to facilitate implementation of the policy objectives.

7.3 Through the research led welfare policy, the development of a sustainable mechanism of equitable exchange and communication may be undertaken to eliminate inequitable barter, exploitation and dole dependence. Some extent of market intervention through AAJVS may be taken up, if necessary.

7.4 A systematic process of policy implementation will be developed by field staff and the expert advisory group of the ANTRI/AAJVS based on the review of the information generated. It is envisaged that these will provide insights and understanding on who constitute the Shompens of Great Nicobar for a better grip on ensuring their socio-cultural integrity and spatial security.

7.5 The Ministry of Tribal Affairs will provide financial and other support for strengthening these institutions.

8. EXPERT COMMITTEE AND REVIEW OF POLICY :

"The Expert Committee for preparation of policies for various PVTGs of A&N Islands" under the Chairpersonship of Secretary, Ministry of Tribal Affairs will be responsible for modification/review of the policy. The policy may be reviewed as and when required, based upon available information.

By order and in the name of the Lt. Governor,
Andaman & Nicobar Islands.

Sd./-
(D. M. Shukla)
Secretary (Tribal Welfare)
A&N Administration

MGPPB—89/Gazette/2015 — 115 Copies. (SB-HCL-XII)